श्याम सलोना मुझे भाया रे

तर्ज: आया रे खिलौने वाला, खेल खिलौने

भाया रे , वो लीले वाला श्याम सलोना मुझे भाया रे-भाया रे ।
श्याम की महिमा गाऊँ, मैं श्याम को सदा मनाऊ
भाया रे.....

जब भी मेरे सर पे, मुसीबत है आई,
मोरछड़ी बाबा की, तभी लहराई ,
श्याम के रहूँ सहारे, वो करता वारे-न्यारे ।
भाया रे....

शीश का दानी है, वो जग से निराला,
कलियुग के अंधेरे में, वो करता उजाला
पाप की आंधी छाई, तो श्याम ने ज्योत जलाई ।
भाया रे .....

जो भी इस दुनिया से, है हार के आता,
हारे का सहारा ही, उसे अपनाता ।
विष्णु वो मान बढ़ाये, उसे जग से जीत दिलाये ।
भाया रे....
लेखक: विष्णु कुमार सोनी, कानपुर

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34176/title/shyam-salona-mujhe-bhaya-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |